Monthly advisory to the farmers July

- बाह्य परजीवी नियंत्रण करें| इसके लिए कीटनाशक का उपयोग चिकित्सीय परामर्श से ही करें|
- डेयेरी फार्म पर प्राकृतिक विधि से परजीवी नियंत्रण जैसे की देसी मुर्गीपालन करें|
- पशुओं को गीला चारा, काली/फफूंद लगी तूड़ी न दें, चारा उपलब्धता के लिए सम्पूर्ण फीड ब्लॉक का इस्तेमाल करें|
- शेड में व छतो पर जलभराव या स्त्राव न होने दें, पानी की निकासी पर ध्यान दें |
- वर्षा ऋतु में जहाँ मनुष्यों में मच्छरों द्वारा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि रोगों की सम्भावना बढ़ जाती हैं, वही पशुओं में बाह्य परजीवी (चिचड़, मख्खी आदि) से होने वाले रोग जैसे बबेसिया, सर्रा, थेलेरिया, आदि का प्रकोप बढ़ सकता हैं |
- बचाव हेतु साफ़ सफाई पर ध्यान दें, बाड़े में जल भराव न होने दें, परजीवी नियंत्रण पर ध्यान दें, बाड़े में पंखे व हवा का आवागमन (वेंटिलेशन) हो |